रेस्क्यू | वन विहार भोपाल भेजी गई बाघिन, एक दिन पहले बालाघाट में किया था हमला

बैगा महिला की मौत के बाद कान्हा प्रबंधन ने बाघिन का किया रेस्क्यू

नवभारत, परसवाड़ा । कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में महिला को घर से उठाकर मारने वाली बाघिन का सोमवार को सफल रेस्क्यू कर वन विभाग द्वारा उसे वन विहार, भोपाल भेज दिया गया है। वन विभाग द्वारा बाघिन के कैनाइन दांत अत्यधिक घिसे होने के कारण उसके द्वारा आसान शिकार की तलाश में गांवों की ओर आने की आशंका जताई गई? थी।?

जानकारी अनुसार शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि परसवाड़ा के कुमादेही से सटे ग्राम पर्रापुर (स्कूल टोला) में 14 वर्षीय मादा बाघिन टी-27 ने घर में सो रही सुगनी बाई बैगा पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।

घटना के तत्काल बाद कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने कैमरा ट्रैप लगाए, विशेष गश्ती दल और हाथी दल की मदद से सघन सर्चिंग अभियान शुरू किया? गया । निगरानी के दौरान बाघिन टी-27 गांव के आसपास घूमती पाई गई। जानकारी सामने आई कि यह बाघिन पहले भी ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास देखी जाती रही थी और घटना से एक रात पहले भी गांव के समीप शिकार करने का प्रयास किया था।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक से अनुमति मिलने के बाद सोमवार दोपहर क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी और उपसंचालक (बफर) अमिता के. बी. के मार्गदर्शन में हाथी दल की सहायता से बाघिन का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया । वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल ने बाघिन को निश?चेत कर उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया, स्वास्थ्य परीक्षण में बाघिन के कैनाइन दांत बुरी तरह घिसे हुए पाए गए।

वन विभाग के अनुसार बाघिन के दांत कमजोर होने के कारण बाघिन जंगली शिकार करने में असमर्थ हो रही थी, जिससे वह आसान शिकार की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आ रही थी। ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाघिन को विशेष वाहन से वन विहार, भोपाल भेज दिया गया।

कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें और स्वयं किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं। विभाग ने मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की है।

दतिया की जीत जनता के विश्वास की जीत है : विधायक अनुभा

नवभारत, बालाघाट। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी आदरणीय कुँवर घनश्याम सिंह की ऐतिहासिक विजय पर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे जनता के अटूट विश्वास, कांग्रेस संगठन की एकजुटता तथा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत की जीत बताया। उन्होंने कहा कि दतिया की जनता ने लोकतंत्र को मजबूत करते हुए कांग्रेस के पक्ष में अपना जनादेश देकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि दतिया ही नहीं मध्य प्रदेश की जनता भी भय मुक्त दतिया से भय मुक्त मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रही है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि 'दतिया की जीत केवल एक विधानसभा सीट की जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की जीत है। यह कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता के त्याग, समर्पण और निरंतर जनसेवा का सम्मान है।' उन्होंने कहा कि इस जनादेश ने पूरे मध्य प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि दतिया की जनता ने कट्टा,सट्टा भय और असुरक्षा की राजनीति को नकारते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया है। 'भयमुक्त दतिया का यह संकल्प अब भयमुक्त मध्य प्रदेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन चुका है।' यह परिणाम प्रदेश में बदलाव की नई उम्मीद लेकर आया है और आने वाले समय में जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली राजनीति को और अधिक बल मिलेगा।

अनुभा मुंजारे ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित विधायक कुँवर घनश्याम सिंह अपने अनुभव, सरल स्वभाव और जनसेवा की भावना के साथ दतिया विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में दतिया नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरेगा।

उन्होंने उपचुनाव के दौरान अपने जनसंपर्क और प्रभार वाले क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुँचकर जनता के बीच पार्टी की नीतियों और विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुँचाया। कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के कारण अनेक ग्रामों एवं बूथों पर कांग्रेस को अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि ग्राम बरोह, मलकपहाड़ी (बैरुका), बुधेड़ा, बड़ेरा, सोनागिर, एरई, बसई, लखनपुर, मकड़ारी, उर्दना, मुड़रा, कंधारी, पराखेड़ा, गुंदरिया, सांकुली, ठाकुरपुरा, जनकपुर, मानिकपुर, हिम्मतपुर, फूलरा, पगरा, लरायटा, डगरई, गंधारी, चिरूला तथा दतिया नगर क्षेत्र सहित अनेक स्थानों पर कांग्रेस के पक्ष में जबरदस्त जनसमर्थन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर संगठन को मजबूत किया और जनता का विश्वास अर्जित किया।

एक नजर में

महिलाओं और बच्चों के हित में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के हित में उत्कृष्ट, साहसिक एवं प्रेरणादायी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं से वर्ष 2025 के राज्य एवं जिला स्तरीय विभागीय पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। राज्य स्तर पर रानी अवंतीबाई वीरता पुरस्कार, राजमाता विजयराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार, विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान, मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार, राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार तथा अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। इसके अलावा जिला स्तरीय मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार के लिए भी पात्र अभ्यर्थी आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

जिले में 3 अगस्त तक 626 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 01 जून से 03 अगस्त 2026 तक कुल 626 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 833 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 817 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 01 अगस्त 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 03 अगस्त को प्रात: 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान बालाघाट तहसील में 00 मिमी, वारासिवनी में 00 मिमी, बैहर में 00 मिमी, लांजी में 01 मिमी, कटंगी में 05 मिमी, किरनापुर में 00 मिमी, खैरलांजी में 00 मिमी, लालबर्रा में 04 मिमी, बिरसा में 00 मिमी, परसवाड़ा में 00 मिमी एवं तिरोड़ी तहसील में 00 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 01 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 1080 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1205 मिलीमीटर, बैहर में 983 मिलीमीटर, लांजी में 544 मिलीमीटर, कटंगी में 813 मिलीमीटर, किरनापुर में 804 मिलीमीटर, खैरलांजी में 356 मिलीमीटर, लालबर्रा में 996 मिलीमीटर, बिरसा में 590 मिलीमीटर तिरोड़ी में 781 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

एनएच-30 व बस स्टैंड के फुटपाथ हुए अतिक्रमण मुक्त

नवभारत, भुआ बिछिया। जिला कलेक्टर के निर्देश और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिछिया संस्कार बावरिया के नेतृत्व में रविवार को नगर परिषद भुआ बिछिया क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान नेशनल हाईवे-30, बस स्टैंड, थाना परिसर के सामने एवं विनोद रंगमंच के आसपास सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। लंबे समय से फुटपाथों पर दुकानें लगने के कारण यातायात बाधित हो रहा था और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी। इसी को

देखते हुए नागरिकों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए यह कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मार्को, थाना प्रभारी रंजीत सैयाम सहित राजस्व, नगर परिषद और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। इस दौरान अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों पर जुर्माना भी लगाया गया।

चूना लाइन डालकर पार्किंग स्थल चिन्हित- बस स्टैंड परिसर में यातायात को व्यवस्थित करने के लिए चूना लाइन डालकर पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए। नागरिकों को निर्देश दिए गए कि वे वाहन केवल निर्धारित स्थान पर ही खड़ा करें। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में सार्वजनिक स्थलों पर पुन: अतिक्रमण या अव्यवस्थित पार्किंग पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई के साथ भारी जुर्माना लगाया जाएगा। व्यापारियों से अपील की गई कि वे अपनी दुकानें निर्धारित सीमा के भीतर ही संचालित करें।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती मनाई गई

नवभारत, बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता तथा आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत महान वैज्ञानिक एवं भारतीय रसायन शास्त्र के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती मनाई गई।

कार्यक्रम में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन, व्यक्तित्व एवं भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश

डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1892 में कोलकाता में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड की स्थापना कर स्वदेशी उद्योग और भारतीय विज्ञान को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की थी। इस अवसर पर छात्राओं को स्वदेशी तकनीक से निर्मित औषधीय रसायनों, उनकी आणविक संरचना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में रसायन शास्त्र के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन एवं कार्यों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे छात्राओं को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ. सरोज घोड़ेश्वर, रसायन शास्त्र विभाग के श्री सुनील कुमार राणा एवं डॉ. मनिका चौबे का विशेष योगदान रहा।

खिड़की घाट बना 'डेथ ट्रैप', पलटे दो ट्रक, एक सड़क पर, दूसरा खाई में गिरा

नवभारत कटंगी 3 अगस्त। कटंगी-सिवनी मुख्य मार्ग पर स्थित खतरनाक खिड़की घाट एक बार फिर बड़े हादसे का गवाह बना। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम एमपीआरडीसी की लापरवाही के चलते कुछ ही घंटे के अंतराल में दो भारी मालवाहक ट्रक पलट गए।

घाट पर साइड शोल्डर के अभाव और कटी हुई सड़कों के कारण हर दिन मौत का खतरा मंडरा रहा है। पहला हादसा उस समय हुआ जब मोरवी से वारासिवनी जा रहा टाइल्स से भरा ट्रक एमएच 40 सी 9926 खिड़की घाट से नीचे उतर रहा था। ढलान पर अचानक ट्रक का टायर फट गया और चालक नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित ट्रक बीच सड़क पर ही पलट गया।

खाई में गिरा चावल से भरा ट्रक- दूसरा हादसा और भी भयावह था। सिवनी से कटंगी आ रहा चावल के खंडे से भरा ट्रक एमपी 50 जी 2487 सड़क के किनारे धंसने और साइड शोल्डर नहीं होने के कारण सीधे गहरी खाई में जा गिरा। ट्रक के मालिक सह चालक इमरान जावेद खान बताए जा रहा हैं। सड़क किनारे सुरक्षा घेरा या क्रैश बैरियर नहीं होने से पहिया किनारे जाते ही ट्रक पलटकर खाई में समा गया।

एमपीआरडीसी की लापरवाही पर उठे सवाल- इन दोहरे हादसों ने एमपीआरडीसी की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मुख्य मार्ग की देखरेख करने वाली एजेंसी पूरी तरह लापरवाह है। घाट सेक्शन होने के बावजूद यहां न तो सड़क का कटाव सुधारा गया है और न ही सुरक्षा के लिए साइड शोल्डर बनाए गए हैं। सड़क की मिट्टी पूरी तरह कट चुकी है, जिससे दो वाहनों के पास देने पर भी खाई में गिरने का डर बना रहता है।

पेंचवेली एक्सप्रेस पर बनी सहमति

नवभारत, बालाघाट। पेंचवेली एक्सप्रेस जो अनावश्यक रूप से विगत एक वर्ष से नैनपुर और मंडला के बीच में खाली चल रही है जिससे करोड़ों रुपए का नुक़सान रेलवे को हो चुका है।

उस पर ब्राडगेज रेल संघर्ष समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अनूप सिंह बैस ने दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते जी से भेंट कर प्रस्ताव दिया कि इसे चार दिन गोंदिया बालाघाट से तथा तीन दिन मंडला से चलाया जाए, और यदि रेल बोर्ड बालाघाट से भोपाल

इंदौर के लिए नयी रेक उपलब्ध कराता है तो इसे मंडला से नियमित कर दिया जाए और बालाघाट से भोपाल इंदौर के लिए एक नयी एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाए, इस प्रस्ताव पर दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त कर इसे रेल मंत्री की ओर प्रेषित किया।

कन्या विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कानून डराने के लिए नहीं है : न्यायाधीश

नवभारत कटंगी 3 अगस्त। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण तथा सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में रविवार को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय छतेरा रोड कटंगी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शबाना खान, न्यायिक मजिस्ट्रेट

प्रथम श्रेणी/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति ने की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक मलावी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

छात्राओं को दी अधिकारों की जानकारी

न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री शबाना खान ने छात्राओं को बताया कि कानून हमें डराने के लिए नहीं, बल्कि हमारी सुरक्षा और अधिकार देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने शिक्षा का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, इंटरनेट का सुरक्षित इस्तेमाल, गुड-टच एवं बैड-टच, कानून का सम्मान, गलत के खिलाफ आवाज उठाना, दैनिक अनुशासन, मौलिक अधिकार और मूल कर्तव्य आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

नए कलेक्टर कुमार सत्यम ने संभाला कार्यभार, संवेदनशीलता और पारदर्शिता होगी प्राथमिकता

नवभारत, बालाघाट। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2017 बैच के अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने सोमवार 03 अगस्तय को बालाघाट जिले के नए कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने, समस्याओं का मौके पर जाकर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही बालाघाट जिले को

विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

कलेक्टर श्री सत्यम ने आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले शिविरों में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दें।

संग्रहालय | तिरोड़ी का सती-शिव मंदिर का पत्थर गिरने की स्थिति में, चाकाहेटी का सती स्तम्भ भग्नावशेषों में

कटंगी में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का इतिहास हो रहा लुप्त

नवभारत, कटंगी। बालाघाट जिले का सुप्रसिद्ध विधान सभा क्षेत्र कटंगी, जहाँ पुरातात्विक महत्व के अवशेष यत्र-तत्र भग्नावशेष में रखे हुए है, कई गायब भी हो चुकी है। आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट जो 46 वर्षों से निरन्तर कटंगी क्षेत्र के ऐतिहासिक पुरातात्विक अवशेषों का निरीक्षणोंपरांत विधायकों कटंगी को हमेशा ज्ञापन पत्र सौंपते हुए आ रहे है, साथ ही अध्यक्ष जनपद पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, सरपंचों,ग्राम पंचायतों के साथ कटंगी में पुरातात्विक बैठक आयोजित कर संबंधित पुरातात्विक ग्राम पंचायतों से प्रतिमाएँ पंजीयन हेतु, रखरखाव, टीन शेड लगाकर, प्रतिमाएँ को पीलर पर रखकर, काल निर्धारण की कोशिश कर चुके है। इन सबके उपरान्त भी शासन-प्रशासन मौन बैठा हुआ है। अगर इन पुरातात्विक धरोहरों का समय पूर्व संरक्षित नहीं किया गया तो। इतिहास के पन्नों में अंकित रह जाएगें। तदसंबंध में पुन: दिनांक 2 अगस्त 2026 को आचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट ने अवलोकन कर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा है, विधान सभा क्षेत्र कटंगी में पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का इतिहास हो रहा है लुप्त? सती-शिव मंदिर तिरोड़ी, चाकाहेटी में सती स्तम्भों, शिव मंदिर जाम, देवी मंदिर बाहकल, पाषाण प्रतिमाएँ बिसापुर...., अगर इन धरोहरों को समय पूर्व संरक्षित

किया जाता है, तो भारतीय और विदेशी पर्यटकों को नागपुर से सीधे तौर पर पहुंचनें में सुविधाजनक, तदोपरान्त कान्हा नेशनल पार्क भी पहुंच सकते है।

डॉ.गहरवार ने अपने निरीक्षणोंपरांत सरपंच ग्राम पंचायत तिरोड़ी और चाकाहेटी से सम्पर्क कर उन्हें पुरातात्विक महत्व के स्थलों को यथाशीघ्र संरक्षित करवाये। ज्ञात हो कि सती-शिव मंदिर 13,14 वीं श.का है, वर्तमान में जर्जर स्थिति में पहुंच कर मंदिर के पत्थर गिरने के कगार पर पहुंच गए है। इसी परिदृश्य में चाकाहेटी जो सतीटोला के नाम से जाना जाता है, जहाँ विभिन्न कालों में 16,17,18 वीं.श. में लड़ाइयों के दौरान पुरुषों के शहीद होने उपरान्त उनकी जो पत्नियां की संख्या हो अपने संतानों के साथ सती हुई थी। उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने हेतु कलाकार ने समाधी के ऊपर उनकी मूर्तियाँ बनाई थी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उन समाधियों स्तम्भों और मूर्तियों की तौरफोड़ कर उनका अस्तित्व ही समाप्त कर दिया गया है।

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती पर विद्यार्थियों को भारतीय रसायन विज्ञान की गौरवशाली परंपरा से कराया परिचित

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में सोमवार को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं रसायन शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक भारतीय रसायन विज्ञान के जनक एवं महान वैज्ञानिक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं ज्ञानवर्धक निबंध प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों के साथ मनाई गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की जिला नोडल अधिकारी डॉ. कंचन मसराम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के चित्र पर माल्यार्पण एवं

सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्रारंभ में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन, व्यक्तित्व एवं वैज्ञानिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भारतीय रसायन विज्ञान के विकास का आधार स्तंभ बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि आचार्य राय केवल एक वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि एक महान शिक्षाविद्, राष्ट्रभक्त, उद्योग प्रवर्तक एवं भारतीय वैज्ञानिक चेतना के प्रेरणास्रोत थे।

इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान में देवी अहिल्या होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर के सहायक प्राध्यापक डॉ. रुपेश कुशवाह ने गूगल मीट के माध्यम से विद्यार्थियों को इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री एवं ग्रीन केमेस्ट्री विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री के मूल सिद्धांतों, इसके औद्योगिक एवं दैनिक जीवन में उपयोग तथा आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधानों में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।